# He Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 283] No. 283] नई दिल्ली, बुधवार, जून 28, 2006/आबाढ़ 7, 1928 NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 28, 2006/ASADHA 7, 1928

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (पोत परिवहन विभाग)

(पत्तन स्कंध)

# अधिसुचना

नई दिल्ली, 28 जून, 2006

सा.का.नि. 385(अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 के अधिनियम सं. 15) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके, केन्द्रीय सरकार, जलयानों का पत्तनों में प्रवेश विनियमित करने की दृष्टि से, दिनांक 20-9-2005 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 600(अ) में एतद्द्वारा, निम्नलिखित संशोधन करती है । उपर्युक्त अधिसूचना के पैरा 2(ii) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाता है :-

(ii) तेल के रिसाव अथवा किन्हीं जोखिम भरे और अनिष्टकर पदार्थों से हुए प्रदूषण से होने वाला नुकसान; "सरक्षण और क्षतिपूर्ति-क्लबों के किसी अंतर्राष्ट्रीय

दल के किसी सदस्य के रूप में किसी संरक्षण और क्षतिपूर्ति-क्लब; अथवा किसी भारतीय बीमा कम्पनी या एक क्लब या केन्द्रीय सरकार द्वारा विधिवत् अनुमोदित बीमा कम्पनी से"।

उपर्युक्त संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू होगा ।

[फा. सं. पी टी-11024/5/2003-पी टी] अजय कुमार भल्ला, संयुक्त सचिव

# MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 2006

G.S.R. 385(E).—In exercise of powers conferred by Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby amends the notification No. G.S.R. 600(E) dated 20-9-2005 to regulate the entry of vessels into ports. Para 2(ii) of the above notification is substituted with the following:—

 (ii) Pollution damage caused by spillage of oil or any hazardous and noxious substances;

"From a Protection and Indemnity Club which is a member of an International Group of Protection and Indemnity Clubs; or any Indian Insurance Company or a Club or an Insurance Company approved by the Central Government".

The amendment comes into force with immediate effect.

[F. No. PT-11024/5/2003-PT]

A. K. BHALLA; Jt. Secy.

1924 GI/2006